

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

समाचार

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपलब्ध (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं. 152] नई दिल्ली, नोवेंबर, अंडे 21, 1969/वैशाख 1, 1891

No. 152] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 21, 1969/VAISAKHA 1, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रन्थ संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF LAW

(Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st April 1969

S.O. 1505.—In exercise of the powers conferred by section 28 of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Central Government, after consulting the Election Commission, hereby makes the following rules further to amend the Registration of Electors Rules, 1960, namely:—

1. **Short title.**—These rules may be called the Registration of Electors (Amendment) Rules, 1969.

2. **Amendment of rule 28.**—In rule 28 of the Registration of Electors Rules, 1960—

- (i) in the heading, the words "in municipal areas" shall be omitted; and
- (ii) in sub-rule (1), for the words "any such constituency in municipal areas", the following words shall be substituted, namely:—
"any such constituency or part thereof".

[No. F.7(8)/69-Leg.II.]

N. D. P. NAMBOODIRIPAD, Jt. Secy.

विधि भंगालय

(विधायी विभाग)

विधिवृत्ता

नई विल्ली, 21 प्रब्रेल, 1969

का० फा० 1506.—लोक निवाचिक अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की बारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निवाचित आयोग से परामर्श के पश्चात् निवाचिक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 में भवित्वित संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनायी है, प्रथात् :—

1. संभित्र माम—ये नियम निवाचिक रजिस्ट्रीकरण (संशोधन) नियम, 1969 कहे जा सकेंगे।

2. नियम 23 में संशोधन—निवाचिक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के नियम 28 के—

- (i) शीर्षक में से, 'नगरपालीय थोकों में के' शब्दों का लोप कर दिया जाएगा ; और
- (ii) उप-नियम (1) में, 'नगरपालीय थोकों में के किसी ऐसे निवाचित-क्षेत्र' शब्दों के स्थान में निम्नलिखित शब्द रख दिए जायेंगे, प्रथात् :—

"किसी ऐसे निवाचित-क्षेत्र या उसके भाग"।

[सं०फा० 7(8)/69-वि० 2]

एन० डी० पी० मन्मूदिरीपाल, संयुक्त सचिव।